अध्याय - 07

तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

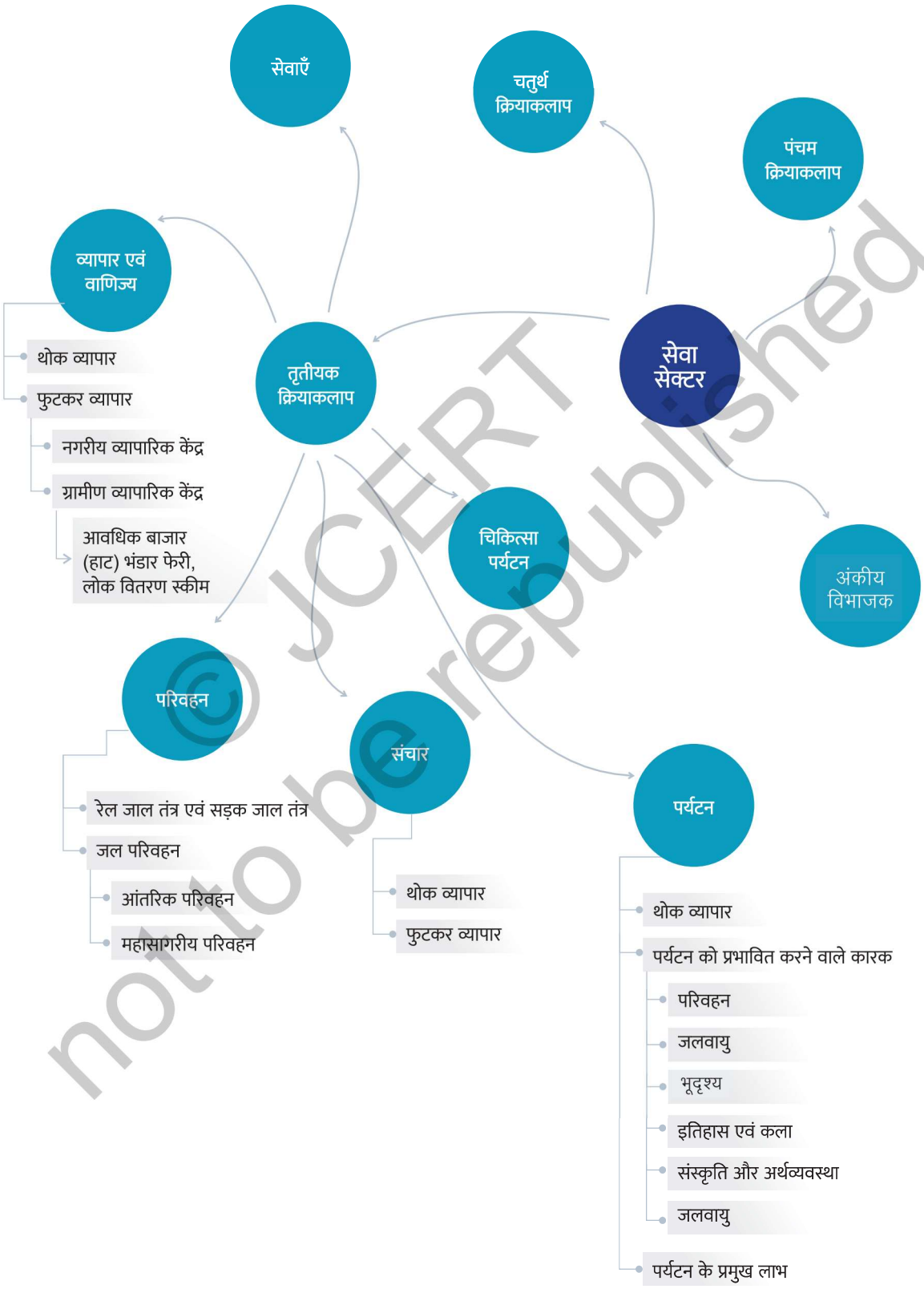

© JCERT not to be republished

सेवा सेक्टर

तृतीयक क्रियाकलाप

वे क्रियाएँ जिनके द्वारा समाज को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, तृतीयक क्रियाएँ कहलाती हैं।

परिवहन

वस्तु तथा यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की प्रक्रिया को परिवहन कहते हैं।

रेल जाल तंत्र एवं सड़क जाल तंत्र

जैसे ही परिवहन व्यवस्थाएँ विकसित होती हैं विभिन्न स्थान आपस में जुड़ कर जाल तंत्र की रचना करते हैं। जिसमें रेल जाल तंत्र तथा सड़क जाल तंत्र शामिल होते हैं। विभिन्न स्थानों को मार्गों की श्रेणियों द्वारा परस्पर जोड़ दिए जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है उसे परिवहन जाल कहा जाता है।

जल परिवहन

परिवहन के सभी साधनों में जल परिवहन सामान्यत: सबसे सस्ता तथा सुलभ साधन होता है। जल परिवहन दो प्रकार से संपन्न होता है।

- **आंतरिक जल परिवहन**
  - नदियों, झीलों तथा नहरों का प्रयोग करने वाले जल मार्गों को आंतरिक जल परिवहन कहा जाता है।
- **महासागरीय परिवहन**
  - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं का परिवहन महासागरीय मार्गों द्वारा होने के कारण इसे महासागरीय परिवहन कहते हैं।

वायु परिवहन

हवाई जहाज से वायु मार्ग द्वारा वस्तुओं एवं व्यक्तियों को तीव्र गति से लाने एवं ले जाने के उपयोग को वायु परिवहन कहते हैं। इसमें यात्री सेवा एवं माल सेवा को सम्मिलित किया जाता है।

संचार

संचार का अर्थ शब्दों, संदेशों, तथ्यों और विचारों का एक व्यक्ति अथवा स्थान से दूसरे व्यक्ति या स्थान तक भेजना ही संचार कहलाता है।

दूरसंचार

दूरसंचार का उपयोग विद्युत प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ा है। संदेशों की प्रेषण की गति ने संचार में क्रांति ला दी है। दूरसंचार के द्वारा संदेशों को सप्ताहों की जगह मिनटों में भेजा जाने लगा है, जिसमें टेलीफोन, मोबाइल, तार, माइक्रोवेव कम्युनिकेशन, फाइबर ऑप्टिकल, उपग्रहों, रेडियो, टेलीविजन, ब्रॉडकास्टिंग और इंटरनेट जैसी इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों के माध्यम से साउंड डाटा और वीडियो ब्रॉडकास्टिंग जैसी सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रक्रियाओं को संदर्भित करता है।

दृश्य-श्रव्य साधन

दृश्य-श्रव्य सामग्री वे साधन है जिन्हें हम आंखों से देख सकते हैं, कानों से संबंधित ध्वनि को सुन सकते हैं, जैसे रेडियो, टेलीविजन, फिल्में एवं मुद्रण मीडिया आदि दृश्य-श्रव्य साधन कहलाती हैं।

© JCERT not to be republished

सेवा सेक्टर

तृतीयक क्रियाकलाप

वे क्रियाएँ जिनके द्वारा समाज को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, तृतीयक क्रियाएँ कहलाती हैं।

व्यापार एवं वाणिज्य

उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के क्रय और विक्रय को व्यापार कहा जाता है। यह कार्य फुटकर, थोक व्यापार और वाणिज्य द्वारा संपन्न किया जाता है। ये सभी कार्य कस्बों और नगरों में होते हैं, जिन्हें व्यापारिक केंद्र कहा जाता है।

थोक व्यापार

थोक व्यापार का गठन अनेक बिचौलियों, सौदागरों और मूर्तिघरों द्वारा होता है, जो छोटे, मझोले और फुटकर भंडारों को वस्तुएँ उधार देते हैं।

फुटकर व्यापार

वह व्यापारिक क्रिया जिसमें उत्पादों को प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है, फुटकर व्यापार कहलाता है

नगरीय व्यापारिक केंद्र

ये ऐसे बाजार केंद्र होते हैं जहाँ साधारण वस्तुओं और सेवाओं के अतिरिक्त विशेष प्रकार की वस्तुएँ तथा सेवाएँ उपलब्ध होती हैं।

ग्रामीण व्यापारिक केंद्र

ये ऐसे अर्द्ध नगरीय व्यापारिक केंद्र होते हैं जो निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं, ग्रामीण व्यापारिक केंद्र कहलाते हैं।

आवधिक बाजार

ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ नियमित बाजार नहीं होते हैं वहाँ पर विभिन्न कालिक अंतराल ऊपर स्थानिक आवधिक बाजार लगाए जाते हैं। ये साप्ताहिक या पाक्षिक बाजार होते हैं जो आसपास के ग्रामीण लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

सेवाएँ

सेवाएँ भुगतान करने वाले व्यक्ति को उपलब्ध होती है। यह विभिन्न स्तरों पर पाई जाती है कुछ सेवाएँ उद्योगों को चलाती है, कुछ लोगों को और कुछ उद्योगों और लोगों दोनों को चलाती है। सेवाएँ कई रूप में उपलब्ध होती है जैसे पंसारी की दुकान, नाई की दुकान, धोबी घाट आदि निम्न स्तरीय सेवाएँ तथा अध्यापक, वकील, चिकित्सक व संगीतकार की सेवाएँ उच्च स्तरीय सेवाएँ होती हैं।

© JCERT not to be republished

सेवा सेक्टर

तृतीयक क्रियाकलाप

वे क्रियाएँ जिनके द्वारा समाज को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, तृतीयक क्रियाएँ कहलाती हैं।

पर्यटन

पर्यटन एक यात्रा है जो व्यापार के अलावा मनोरंजन एवं फुरसत के पलों का आनंद उठाने के उद्देश्यों के लिए की जाती है।

पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक

परिवहन

परिवहन की सुविधाओं में सुधार के साथ पर्यटन क्षेत्रों का विकास हुआ है। बेहतर सड़क प्रणालियों द्वारा यात्रा सुगम बन जाती है। हाल के वर्षों में वायु परिवहन का विस्तार अधिक महत्वपूर्ण रहा। इसके द्वारा कुछ ही घंटों में अपने घरों से विश्व में कहीं भी जाया जा सकता है।

जलवायु

जलवायु भी पर्यटन को प्रभावित करता है। ठंडे क्षेत्रों के अधिकांश लोग छुट्टियों में समुद्र तट पर गर्म धूप वाले मौसम की उम्मीद करते हैं।

भू दृश्य

बहुत से लोग अपनी छुट्टियां एक आकर्षक वातावरण में बिताना पसंद करते हैं जिसका अर्थ अक्सर पहाड़, झीलें, जल प्रपात, दर्शनीय समुद्री तट और परिदृश्य होते हैं, जो मनुष्य द्वारा पूरी तरह से बदले नहीं जाते हैं।

इतिहास एवं कला

किसी क्षेत्र के इतिहास और कला लोगों को अपनी और आकर्षित करते हैं। लोग प्राचीन किलों, महलों, पुरातात्विक स्थानों, सुंदर नगरों और गिरजाघरों को देखकर आनंद उठाते हैं।

संस्कृति और अर्थव्यवस्था

मानव जाति और स्थानीय नीतियों को पसंद करने वाले वालों को पर्यटन लुभाता है। यदि कोई प्रदेश पर्यटकों की जरूरतों को सस्ते दाम में पूरा करता है तो वह अत्यंत लोकप्रिय पर्यटन स्थल हो जाता है। घरों में रुकना एक लाभदायक व्यापार बनकर उभरा है जैसे कि गोवा में हेरीटेज होम्स।

पर्यटन के प्रमुख लाभ

- इससे स्थानीय लोगों को होटलों में गाइड के रूप में रोजगार मिलता है। पर्यटन उद्योग श्रम प्रधान होता है
- पर्यटन स्मृति चिन्हों के निर्माण उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।
- पर्यटन से स्थानीय उत्पादों की मांग में वृद्धि होती है।
- हवाई अड्डा, सड़कों और होटलों के निर्माण में विदेशी निवेश आता है।
- विदेशों से सांस्कृतिक संबंध मजबूत होते हैं तथा अपने स्थानीय रीति-रिवाजों और विरासत की रक्षा होती है।

चिकित्सा पर्यटन

जब लोग चिकित्सा या उपचार के लिए देश से बाहर किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो इस गतिविधि को सामान्यत: चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है।

इतिहास एवं कला

किसी क्षेत्र के इतिहास और कला लोगों को अपनी और आकर्षित करते हैं। लोग प्राचीन किलों, महलों, पुरातात्विक स्थानों, सुंदर नगरों और गिरजाघरों को देखकर आनंद उठाते हैं।

© JCERT not to be republished

सेवा सेक्टर

चतुर्थ क्रियाकलाप

चतुर्थ सेवाओं में शिक्षा, सूचना, शोध और विकास आधारित क्रियाकलापों को सम्मिलित किया जाता है। ये वे उच्च बौद्धिक व्यवसाय हैं जो चिंतन शोध तथा विकास के लिए विचार देते हैं। अध्यापन, चिकित्सा, वकालत, अनुसंधान कार्य, सूचना आधारित ज्ञान आदि चतुर्थ सेवाओं के प्रमुख उदाहरण है।

पंचम क्रियाकलाप

आर्थिक क्रियाकलापों के पद सोपान के सर्वोच्च स्तर पर बैठे ये कर्मी उच्चतम स्तर के निर्णय लेने तथा नीतियों का निर्माण करने वाले विशेषज्ञ होते हैं। इन क्रियाओं और चतुर्थ सेक्टर से जुड़ी ज्ञान आधारित सेवाओं में मामूली फर्क होता है।

अंकीय विभाजक

विकसित देशों की तुलना में विकासशील देश सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक भिन्नताओं के कारण सूचना व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिलने वाले लाभों एवं अवसरों के मामले में पिछड़ गये हैं, यही अंकीय विभाजक कहलाता है।

© JCERT not to be republished

अभ्यास

1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(I) निम्नलिखित में से कौन-सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?

(क) खेती (ख) बुनाई

(ग) व्यापार (घ) आखेट

उत्तर: (ग) व्यापार

(II) निम्नलिखित क्रियाकलापों में से कौन-सा एक द्वितीयक सेक्टर का क्रियाकलाप नहीं है?

(क) इस्पात प्रगलन (ख) वस्त्र निर्माण

(ग) मछली पकड़ना (घ) टोकरी बुनना

उत्तर: (ग) मछली पकड़ना

(III) निम्नलिखित में से कौन-सा एक सेक्टर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है?

(क) प्राथमिक (ख) द्वितीयक

(ग) पर्यटन (घ) सेवा

उत्तर: (घ) सेवा

(IV) वे काम जिनमें उच्च परिमाण और स्तर वाले अन्वेषण सम्मिलित होते हैं, कहलाते हैं।

(क) द्वितीयक क्रियाकलाप

(ख) पंचम क्रियाकलाप

(ग) चतुर्थ क्रियाकलाप

(घ) प्राथमिक क्रियाकलाप

उत्तर: (ग) चतुर्थ क्रियाकलाप

(V) निम्नलिखित में से कौन सा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से संबंधित है?

(क) संगणक विनिर्माण

(ख) विश्वविद्यालयी अध्यापन

(ग) कागज़ और कच्ची लुगदी निर्माण

(घ) पुस्तकों का मुद्रण

उत्तर: (ख) विश्वविद्यालयी अध्यापन

© JCERT not to be republished

(VI) निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सत्य नहीं है?

(क) बाह्यस्त्रोतन दक्षता को बढ़ाता है और लागतों को घटाता है।

(ख) कभी-कभार अभियांत्रिकी और विनिर्माण कार्यों की भी बाह्यस्त्रोतन की जा सकती है।

(ग) बी.पी.ओज के पास के.पी.ओज की तुलना में बेहतर व्यावसायिक अवसर होते हैं।

(घ) कामों के बाह्यस्त्रोतन करने वाले देशों में काम की तलाश करने वालों में असंतोष पाया जाता है।

उत्तर:

(घ) कामों के बाह्यस्त्रोतन करने वाले देशों में काम की तलाश करने वालों में असंतोष पाया जाता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए:

(I) फुटकर व्यापार सेवा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: वह व्यापारिक क्रिया जिसमें उत्पादों को प्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है, फुटकर व्यापार कहलाता है।

(II) चतुर्थ सेवाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: चतुर्थ सेवाओं में शिक्षा, सूचना, शोध और विकास आधारित क्रियाकलापों को सम्मिलित किया जाता है।

(III) विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेज़ी से उभरते हुए देशों के नाम लिखिए।

उत्तर: भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी देश बनकर उभरा है। इसके अलावा थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे विकासशील देश भी चिकित्सा पर्यटन से लाभान्वित हो रहे हैं। भारत, स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रेलिया विशिष्ट परीक्षणों की सुविधाएँ उपलब्ध करा रहे हैं।

(IV) अंकीय विभाजक क्या है?

उत्तर: विकसित देशों की तुलना में विकासशील देश सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक भिन्नताओं के कारण सूचना व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मिलने वाले लाभों एवं अवसरों के मामले में पिछड़ गये हैं, यही अंकीय विभाजक कहलाता है।

© JCERT not to be republished

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक में न दें:

(I) आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता और वृद्धि की चर्चा कीजिए।

उत्तर: किसी देश के आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता का मापन उसके अंतर्गत होने वाले विभिन्न क्रियाकलापों के विकास के स्तर का आकलन करने के बाद ही संभव हो सकता है। सेवा सेक्टर के अंतर्गत होने वाले क्रियाकलाप निम्नलिखित हैं:

वाणिज्य और व्यापार - इसके अंतर्गत फुटकर विक्रेता तथा थोक विक्रेता आते हैं। इनका उद्देश्य वस्तुओं और उत्पादों को बेचकर लाभ कमाना होता है। किसी देश के व्यापार और वाणिज्य में विशेष रूप से आधुनिक विनिर्मित वस्तुओं के क्रय एवं विक्रय में जितनी अधिक वृद्धि होगी, विकास का स्तर उतना ही ऊँचा होगा ।

परिवहन और संचार सुविधाएँ - परिवहन के द्वारा व्यक्तियों, वस्तुओं व संपत्तियों को प्रत्यक्ष रूप में अपने गंतव्यों तक पहुँचाना होता है जबकि संचार की सुविधाओं के द्वारा शब्दों, विचारों व संदेशों को चाहे वे लिखित सामग्री के रूप में हैं अथवा श्रव्य-दृश्य के रूप में उन्हें विभिन्न माध्यमों जैसे- डाक सेवाओं द्वारा, दूरसंचार सेवाओं (मोबाइल, फैक्स, इंटरनेट, रेडियो व दूरदर्शन) के द्वारा अथवा लिखित सामग्री (समाचार पत्र व पत्रिकाओं) के द्वारा जन-जन तक पहुंचाया जाता है। ये सभी जनसंचार के आधुनिक साधन हैं। इन सभी माध्यमों का जितना अधिक उपयोग होगा देश उतना ही अधिक विकसित होगा।

व्यावसायिक कुशलता, अनुसंधान व उच्च प्रौद्योगिकी का निष्पादन - देश में साधारण सेवाओं के अलावा व्यावसायिक रूप से कुशल व प्रशिक्षित शिक्षक, डॉक्टर, वकील, लेखाकार, परामर्शदाता वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्रशासनिक कुशलता रखने वाले लोगों की संख्या तथा उच्च प्रौद्योगिकी पेशेवरों की संख्या के साथ उनके कार्यस्थलों का जितना विकास होगा देश उतना ही विकसित कहलाता है।

(II) परिवहन और संचार सेवाओं की सार्थकता को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: किसी देश के आर्थिक विकास में परिवहन एवं संचार सेवाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। इन सेवाओं का जितना अधिक विस्तार होगा उतनी ही अधिक गतिशीलता वहाँ के व्यापार व वाणिज्य में देखने को मिलती है।

परिवहन - परिवहन एक ऐसी सेवा है जिससे लोग, विनिर्मित एवं कच्चे माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं। आधुनिक समाज में वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग

© JCERT not to be republished

के लिए द्रुतगामी परिवहन की व्यवस्था होनी चाहिए। परिवहन के अनेक साधन होते हैं, जैसे-सड़क परिवहन, रेल परिवहन, वायुमार्ग परिवहन, जलमार्ग परिवहन तथा द्रव व गैस के लिए पाइप लाइन परिवहन।

परिवहन की माँग जनसंख्या के आकार से प्रभावित होती है। अधिक जनसंख्या होने पर परिवहन सेवाओं की माँग अधिक होने के साथ ही परिवहन का जाल तंत्र जितना विकसित होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी।

संचार - संचार सेवाओं के द्वारा शब्दों, विचारों व संदेशों को चाहे वे लिखित सामग्री के रूप में हो अथवा श्रव्य-दृश्य सामग्री के रूप में, उन्हें विभिन्न माध्यमों जैसे डाक द्वारा, समाचार-पत्र व पत्रिकाओं के द्वारा तथा दूरसंचार सेवाओं (मोबाइल, दूरभाष, फैक्स, इंटरनेट, रेडियो व दूरदर्शन) के द्वारा गंतव्य तक पहुँचाना होता है। ये सभी जनसंचार के आधुनिक साधन हैं। इनका लोगों द्वारा जितना विकास व उपयोग होगा देश आर्थिक रूप से उतना ही प्रगति करेगा।

© JCERT not to be republished